IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सह-सम्बन्धात्मक अध्ययन

श्रीमती डिलेश्वरी,शोधार्थी,हेमचंदयादवविश्वविद्यालय,दुर्ग,(छ.ग.)

डॉ.सुरेखा विनोदपाटिल,प्राचार्य,भिलाईमैत्री कालेज,रिसाली,भिलाई,(छ.ग.)

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सहसम्बन्धात्मक का अध्ययन करना था। इस अध्ययन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले के अंतर्गत संचालित उॅचतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत 120 विद्यार्थियों (60छात्रएवं60छात्राओ) को न्यादर्श के रूप में लिया गया है। विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव के मापन हेतु रानी एवं सिंग द्वारा निर्मित शैक्षिक तनाव परीक्षण व समायोजन के मापनी हेतु सिन्हा एवं सिंग द्वारा निर्मित समायोजन परीक्षण का प्रयोग किया गया। सांख्यिकी विश्लेषण हेतु मध्यमान,मानकविचलन एवं सहसंबंध परीक्षण का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के परिणाम में विद्यार्थियों, छात्रों एवं छात्रों के शैक्षिक तनाव व समायोजन के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध पाया गया। परिणाम स्वरूप यह कहा जा सकता है कि वर्तमान प्रतिस्पर्धा परिवेश में विद्यार्थियों में शैक्षिक तनाव अधिक होने से वे उचित समायोजन नहीं कर पाते है। अतः विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव उनके समायोजन को प्रभावित करते है।

मुख्यशब्द-शैक्षिकतनाव,समायोजन,ग्यारहवींकेविद्यार्थी

परिचय

शिक्षा व्यक्ति का पालन-पोषण कर सुसभ्य व्यक्ति बनाती हैतथा पिता केसमान

व्यक्ति को उचित और अनुचित मार्ग का बोध कराती है तथा उसका मार्ग प्रशस्त करतीहै। शिक्षा के द्वारा ही हमारी कीर्ति का प्रकाश चारों ओर फैलता है। तथा शिक्षा ही हमारी समस्याओं को सुलझाती है।एवंहमारेजीवनकोसुसंस्कृतबनातीहै। शिक्षा के महत्व को पहचानते हुए आज वर्तमान जगत में शिक्षा का स्तर काफी ऊँचा उठ गया है। फलस्वरुप विद्यालयों में पाठ्यक्रम का स्तर भी बढ़ता जा रहा है।परिणामस्वरुपबालकोंकाउनकी आयु व कार्य क्षमता की अपेक्षा अधिक पाठ्यक्रम व क्रियाकलापों का होना छात्रों में तनाव का एक कारण बनता जा रहाहै। छात्र अपनी षारीरिक व मानसिक योग्यताके अनुसार इस पाठ्यक्रम के साथ सामंजस्य स्थापित करने का पूरा प्रयत्न करतेहै, किन्तु कुछ कारणवश वह यदि पूरा योगदान नहीं दे पातेहै तो वे पाठ्यक्रम के साथ समायोजन कर लेते है। किसी बालक के संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास तभी संभव है। जब उसके तनाव की परिस्थितियों में सही समायोजन की क्षमता हो।शोधकर्ता ने कक्षा 11वीं में अध्ययनरत विद्यार्थीयों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध जानने के लिए इस महत्वपूर्ण विषय का चयन किया है और यह देखने का प्रयास किया है कि आज

के विद्यार्थी इस भौतिकवादी एवं आधुनिक युग में किस हद तक शैक्षिक तनाव को समायोजित कर पाते है। कक्षा 11वीं के विद्यार्थीयों की अवस्था किशोरावस्था होती है।इस उम्र में उनके समक्ष कई समस्याएं उत्पन्न होती है।जैसे–शारीरिक बदलाव की समस्या, लिंग संबंधी समस्या, वातावरणीय समस्या,व्यक्तिगत समस्या,आत्म–प्रेम की समस्या, सामाजिक पहचान की समस्या, समायोजन में अस्थिरता, विषम लैंगिक काम भावना की समस्या आदि। इन सभी समस्याओं के साथ शिक्षा का बढ़ता तनाव भी एक कठिन परिस्थिति होती है। इसलिए सही समय पर सही मार्गदर्शन कर इन समस्याओं के प्रति समायोजन क्षमता का विकास करने की कला उनके अन्दर होनी चाहिए।अतः शोधकर्ता ने शैक्षिक दृष्टि से विभिन्न परिस्थितियों को देखते हुए विद्यार्थीयों के शैक्षिक तनाव व समायोजन के मध्य सह–सम्बन्धको देखने का प्रयास किया है।

तिवारी (2018) ने उŭच माध्यमिक स्तर पर अध्ययनर त्शिक्षार्थियों के शैक्षिक तनाव व मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन किया तथा पाया कि शिक्षार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं शैक्षिक तनाव में सार्थक अन्तर है अर्था त्शैक्षिक तनाव मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

सिंह (2018) नें माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर समायोजन के प्रभाव का अध्ययन किया। परिणाम के निष्कर्ष से प्राप्त हुआ कि जिन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि उŭच होती है,उनमें समायोजन की क्षमता भी उŭच होती है तथा जिन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न होता है उनमें समायोजन क्षमता भी निम्न होती है।

कर्नाटक एवं पाण्डे (2022) नें किशोरों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन किया। अध्ययन परिणाम के में किशोर एवं किशोरियों के समायोजन स्तर के मध्य 0.05 प्रतिशत विश्वास के स्तर पर सार्थक अन्तर पाया गया। परिणामों से स्पष्ट है कि स्नात्मक स्तर के किशोर एवं किशोरियों के समायोजन स्तर में सार्थक अंतर होता है।

उद्देश्य

1.कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सह–सम्बन्ध का अध्ययन करना।

2.कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत छात्रों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध का अध्ययन करना।

3.कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत छात्राओं के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सह–सम्बन्ध का अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ

H0.1कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा।

H0.2 कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत छात्रों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा।

H0.3 कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत छात्राओं के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा।

अध्ययनकीपरिसीमाएँ

1.अध्ययनछत्तीसगढ़राज्यकेदुर्गजिलेकेअंतर्गतसंचालितउॅचतरमाध्यमिकविद्यालयोंतक सीमितहै।

2.अध्ययन में न्यादर्श हेतु दुर्ग जिले के अंतर्गत संचालित उॅचतर माध्यमिक विद्यालयों के 120 विद्यार्थियों (60 छात्र एवं 60छात्राओ) तक सीमित है।

3.प्रस्तुत अनुसंधान केवल कक्षा11वीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव व समायोजन के अध्ययन तक ही सीमितहै।

अध्ययनविधि

प्रस्तुतशोधसर्वेक्षणविधिपरआधारितहै।

जनसंख्या

प्रस्तुत अध्ययन छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिले के अंतर्गत संचालित उॅचतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को जनसंख्या के रूप में लिया गयाहै।

न्यादर्श

न्यादर्श का चयन उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन विधि द्वारा किया गयाहै।अध्ययन हेतु 120 (60 छात्र एवं 60 छात्राएं) विद्यार्थियोंकोंन्यादर्शकेरूपमेंलियागयाहै।

उपकरण

आकड़ों के संकलन के लिए उपकरण के रूप में विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव के मापन हेतु रानी एवं सिंग द्वारा निर्मित शैक्षिक तनाव परीक्षण का प्रयोग किया गया हैं। विद्यार्थियों के समायोजन के मापन के लिए सिन्हा एवं सिंग द्वारा निर्मित समायोजन परीक्षण का उपयोग किया गया है।

सांख्यिकीयविश्लेषण

परीक्षण से प्राप्त प्राप्तांकों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय तकनीक मध्यमान,मानक विचलन एवं सह–सम्बन्ध का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तोंकाविश्लेषणएवंनिष्कर्ष

प्रस्तुत शोध अध्ययन "प्रस्तुत अध्ययन कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सह–सम्बन्धात्मक अध्ययन" के परिणाम निम्न है–

H0.1कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा।

प्रस्तुत शोध में परिकल्पना की पुष्टि हेतु कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य का सहसंबंध मापन करनें हेतु सहसंबंध की गणना की गई। जिसे तालिका क्रमांक1 में दर्शाया गया हैं।

तालिकाक्रमांक–1

कक्षा ग्यारहवी के विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध की गणना हेतु तालिका

क्रमांक 1चरो का विवरण की संख्या सह–सम्बन्ध मान (r) सार्थकतास्तर

क्रमांक	चरो का विवरण	प्रदत्त की संख्या	सह–सम्बन्ध मान;तद्ध	सार्थकतास्तर
1	शैक्षिकतनाव	120	0.199	0.05 स्तर पर सार्थक
2	समायोजन	120		

कत्रि 238

तालिका क्रमांक1 में स्पष्ट है कि कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव व समायोजन के मध्य सहसंबंधn मान0.199 है, जो 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका मान0.113 से अधिक हैं।अतः विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव व समायोजन के मध्य धनात्मक सह–सम्बन्ध पाया जायेगा। इस प्रकार परिकल्पना ''कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह–सम्बन्धन हीं पाया जाएगा "अस्वीकृत की जाती है।

H 0 . 2 कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत छात्रों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा।

प्रस्तुत शोध में परिकल्पना की पुष्टि हेतु कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत छात्रों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य का सह–सम्बन्ध मापन करनें हेतु सह–सम्बन्ध की गणना की गई। जिसे तालिका क्रमांक 2 में दर्शाया गया हैं।

तालिका क्रमांक2

क्रमांक	चरो का विवरण	प्रदत्त की संख्या	सह–सम्बन्ध मान;तद्ध	सार्थकतास्तर
1	शैक्षिकतनाव	60	0.192	0॰05 स्तर पर सार्थक
2	समायोजन	60		

(कत्रि 118)

कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत छात्रों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सह–सम्बन्ध की गणना हेतु तालिका क्रमांक 2 में स्पष्ट है कि कक्षा ग्यारहवीं मेंb अध्ययनरत छात्रों के शैक्षिक तनाव व समायोजन के मध्य सह–संबंध मान 0.192 है, जो 0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका मान 0.178 से अधिक हैं। अतः छात्रों के शैक्षिक तनाव व समायोजन के मध्य धनात्मक सह–सम्बन्ध पाया जायेगा।इस प्रकार परिकल्पना ‘‘कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत छात्रों के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा” अस्वीकृत की जाती है।

H 0.3 कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत छात्राओं के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह–सम्बन्धन हीं पाया जाएगा।

प्रस्तुत शोध में परिकल्पना की पुष्टि हेतु शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में अध्ययनरत कक्षा ग्यारहवीं के छात्राओं के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य का सहसंबंध मापन करनें हेतु सहसंबंध की गणना की गई। जिसे तालिका क्रमांक 3 में दर्शाया गयाहैं।

तालिकाक्रमांक3

क्रमांक	चरो का विवरण	प्रदत्त की संख्या	सह–सम्बन्ध मान;तद्ध	सार्थकतास्तर
1	शैक्षिकतनाव	60	0.192	0॰05 स्तर पर सार्थक
2	समायोजन	60		

(कत्रि 118)

कक्षा ग्यारहवी के छात्राओं के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सहसंबंध की गणना हेतु तालिका क्रमांक3 में स्पष्ट है कि कक्षाग्यारहवीं में अध्ययनरत छात्राओं के शैक्षिक तनाव व समायोजन के मध्य सह–संबंध मान 0.246 है, जो0.05 सार्थकता स्तर पर तालिका मान0.178 से अधिक हैं।अतःछात्राओं के शैक्षिक तनाव व समायोजन के मध्य धनात्मक सह–सम्बन्ध पाया जायेगा। इस प्रकार परिकल्पना ‘‘कक्षा ग्यारहवीं मेंअध्ययनरत छात्राओं के शैक्षिक तनाव एवं समायोजन के मध्य सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं पाया जाएगा‘‘ अस्वीकृत की जातीहै।

निष्कर्ष

विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव व समायोजन के मध्यधनात्मक सह–सम्बन्ध पाया गया। साथ ही छात्रों एवं छात्राओं में भी शैक्षिक तनाव व समायोजन के मध्य धनात्मक सहसंबंध पाया गया।परिणाम स्वरूप यह कहा जा सकता है कि वर्तमान प्रतिस्पर्धा परिवेश में विद्यार्थियों में शैक्षिक तनाव अधिक होने से वे उचित समायोजन नहीं कर पातेहै। विद्यार्थियों में शैक्षिक तनाव जितना अधिक होगा उन्हें समायोजन करने में उतना ही अधिक मुश्किल होगी।अतःविद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव उनके समायोजन को प्रभावितकरतेहै।

संदर्भितग्रंथसूची

कर्नाटक,के.एवं पाण्डे, डी. (2022). किशोरों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन. इंटरनेशलन जर्नल आॅफ रिसर्च ट्रेण्ड एण्डइनोवेशन ,7(12),640-648.

सिंह,बी. (2018).माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर समायोजन के प्रभाव का अध्ययन. इंटरनेशलन एजकुेशन जर्नल चेतना, 3,195-200.

तिवारी,पी. (2018). उŏच माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत शिक्षार्थियों के शैक्षिक तनाव व मानसिक स्वास्थ्य का अध्ययन. इंटरनेशलनजर्नलआॅफसांटिफिकरिसर्चइनर्साइंसएण्डटेक्नोलाॅजी, 4(10),589-598.